प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 327

नई बिस्सी, शनिवार, अगस्त 10, 1991 (श्रावण 19, 1913)

No. 32]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 10, 1991 (SRAVANA 19, 1913)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था थी जाती है हिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices Issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टंट बैंक केन्द्रीय कार्याणय

बम्बई, दिनांक 21 जुलाई 1991

सं० 7/91—भारतीय स्टेट बैंक (सहयोगी बैंक) अधि-नियम 1959 की धारा 63 की उप धारा (1) के अन्तर्गत
दिए गए अधिकारों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक ने स्टेट बैंक
आफ मैसूर कर्मचारी ग्रेच्युटी विनियमन के विनियम 16 तथा
स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर/ इन्दौर/ पिटयाला/
सौराष्ट्र/ खावणकोर कर्मचारी ग्रेच्यूटी विनियमन के विनियम
13 में निम्निखित संशोधन किया है जो कि भारतीय रिजर्व
बैंक एवं संबंधित महयोगी बैंको के निदेशक मंडल द्वारा भी
अनुमोदित हैं:—

"स्टेट बैंक ऑफ मैसूर कर्मचारी ग्रेच्युटी विनियमन के विनियम 15 तथा स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एम्ड जयपुर/ इन्दौर/ 1—189 GI/91 पटियाला/सौराष्ट्र/त्रावणकोर नर्मचारी ग्रच्युटी विनयमन के विनियम 12 के प्रावधानों पर कोई प्रतिकृत प्रभाव डाले बिना किसी कर्मचारी को स्वीकार्य ग्रेच्यटी की राणि निम्नानुमार होगी :---

- (क) बैंक में सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए एक महीने के बेसन के बराबर राणि परन्तु अधिकतम 15 महीने के बेतन के बराबर राणि के अध्यधीन ।
- (ख) बैक में 30 वर्ष की सेवा से अधिक की अवधि के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए आधे महीने के वेनन के बराबर अतिरिक्त राशि ।
- (ग) उत्पर उप अनुच्छेद (क) और (ख) में संदर्भित उद्देश्य के लिए पूर्ण वर्ष की सेवा के पश्चात की अविध यदि 6 माह या इससे अधिक परनेतु एक वर्ष से कम हो तो। ग्रेच्युटी के उद्देश्य हेतु उसे गणना में लिया जाएगा।

(2653)

बशर्ते कि ग्रेच्युटी भुगतान अग्निनियम 1972 के प्रावधानों के अनुसार या वर्तमान में प्रभावी उसके किसी सांवधिक संगोधन के अनुसार यदि कर्मचारी को देय राशि, ग्रेच्युटी की अनुज्ञीय राशि जो उपयुक्त (क), (ख) और (ग) के अनुसार निर्धा-रित राशि से अधिक है तो कर्मचारी ग्रेच्युटी भुगतान अधि—नियम के प्रावधानों के अनुसार अधिक देय राशि का हकदार होगा।

केन्द्रीय निवेशक मंडल के आदेशानुसार बी० महादेवन प्रबंध निवेशक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1991

सं० बी०→33 (13)→14/ 86→ स्था०— 4→ कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10 के साथ पठिस कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 25 के अनुसरण में सथा निगम की अधिसूचना संख्या : वी→33 (13)→ 14/ 82→ स्था०→ 4, विनांक 22→11→1985 एवं दिमांक 25→3→1986 और सम संख्यक संबोधन अधिसूचना विनांक 20→4→87 का असिक्रमण करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अध्यक्ष इसके द्वारा राजस्थान क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय बोर्ड का पुनर्गठन करते हैं, जिसमें निम्नलिखित सवस्य होंगे, अर्थात :—

 श्रम राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार

अध्यक्ष

स्वास्थय मंत्री,
 राजस्थाम सरकार

उपाध्यक्ष

अम आयुक्त,
 राजस्थान सरकार

सदस्य

 निदेशक,
 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं क०रा०बी० योजना,
 अजमेर रोड, जयपुर राजस्थान

राज्य में क० रा० नीमा योजमा के सीधे प्रभारी अधिकारी पदेन-सदस्य

उप चिकित्सा आयुक्त,
 क० रा० बीमा निगम,
 पश्चिमोत्तर जोन,
 अहमदाबाद, गुजरात

पदेन*-स*बस्य

6. श्री टी॰सी॰ जैन, चीफ एक्जीक्यूटिव, एम्पलायर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्चान, 599, बाचार्य क्रपलानी धार्म, जावर्षे ननर, जयपुर । नियोजकों के प्रति⊸ निधि श्री केश्बी० कक्कड, नियोजकों के अति— उप महा प्रश्नंधक, रिक्स प्रतिनिधि राजस्थाम राज्य पथ परिवहन निगम, जयपुर

 श्री यू०सी० जैन,
 श्रम कानून सलहाकार,
 राजस्थान चैम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, जयपुर

 श्री सोहम लाल वैरागी, कर्मचारियों के प्रतिनिधि मंत्री, राजस्थान इन्टक, मार्फत हिस्दुस्तान केन्द्रीय कार्यालय, श्रमिक संघ, न्यू फतेहपुरा, जदयपुर, राजस्थान

10. श्री राजेन्द्र शर्मा, कर्मचारियों के भारतीय मजदूर संघ कार्यालय, अतिरिक्त प्रति⊸ 17/45, बृजराजपुरा, निधि कोटा, राजस्थान

11. श्री रिविन्द्र शुक्ला, सेन्नेटरी, भारतीय ट्रेड यूनियन केन्द्र, राजस्थान राज्य कमेटी, बी⊸4, एम०एल०ए० क्वार्टर्स, जयपुर

12. सचिव, पदेन-सदस्य श्रम विभाग, राजस्थान सरकार

13. क्षेत्रीय निवेशक, सदस्य-सिणय क० रा० बीमा निगम, जयपुर, राजस्थान ।

> श्रीमति कुसुम प्रसाव महानिदेशक

भारतीय परिचर्या परिषद नई दिल्ली-110002 दिनोकः 22 जुलाई 1991 शुद्धि पत्र

सं० 2-1/75 आई० एम० सी० म्युद्धि पत्र सं० 2-1/75 आई० एन० सी० दिनांक सितम्बर 14, 1990 जो भारत सरकार के राजपत्र भाग 3 खण्ड 4 में सितम्बर 29, 1990 (अध्विन 7, 1912) के पृष्ठ 2614 पर प्रकाशित हो चुकी है निब्न सीमा तक ठीक समझी जाए:-

- 1. पैराप्राफ 1 लाईन 3, "सेवा निवृति" को "सेवा निवृत्ति पढ़ें।"
- 2 पैराग्राफ 2 लाईन 3 "प्रदत" को "प्रदत्त" पढ़ें
- 3. विनिधम 1(2) भाईन 1, "प्रवृत" को "प्रवत्त" पर्वे

- 4. विनियम 3, लाईन 1 "निम्नलियत" को "निम्मलिखित" पर्दे
- 5. विनियम 3(ख) शाईन 3 "निवृति" को "निवृत्ति" पढ़ें
- 6. विनियम 3(ख), लाईन 4, ''निवृत्ति'' को "निवृत्ति'' पढ़ें
- 7. विनिमय 3 (ख), लाईन 7 "निवृत्ति" को "निवृत्ति" पढ़ें
- 8. विनियम 4 लाईन 1, "सेव" को "सेवा" पढ़ें
- 9. विनिमय 4, लाईन 4, ''यथाश्यक'' को "यथावश्यक'' पढ़ें
- 10. विनियम 6, लाईन 3, "परिषद के" से पहले "परिषद में" न पढ़ें
- 11. विनियम 6(1), लाईन 5, "विकल्प" के बाद "नहीं" न पढ़ें
- विनियम 6(2), लाईन 5, "निवृति" को 'निवृत्ति" पढ़ें
- 13. विनियम 6(3), लाईन 3, "निवृत्त" को "निवृत्ति" पढ़ें
- 14. विनियम 6(4), लाईन 1 "वासू" को "वाले" पर्दे
- 15. विनियम 6(5), लाईन 1, "निवृत्ति" को "निवृत्ति" पढ़ें
- 16. विनियम 7(2), लाईन 1, "बाबात" को "बाबत" पढ़ें
- 17. विनियम 7(2) लाईन 2, "फायदे" को 'फायदों" पढ़ें
- 18 विनियम 7(2) लाईन 2, "मर्वे" को "मर्खे" पढ़ें
- 19. विनियम 7(2), लाईन 5, ''का'' को ''को' पढ़ें
- 20. बिनियम 7(4), लाईन 1, ''पशन'' को ''पेंशन'' पढ़ें
- 21. विनियम 8, लाईन 1, "निधि" को "निधि" पहें
- 22. विनियम 8, लाईन 3, "शेन भोगी" को "पेंशन भोगी" पढ़ें
- 23. विनियम 8, लाईन 5, "रेशन" को "पेंशन" पढ़ें
- 24. विनियम 8(3), लाईन 2, "िन:शुल्क" के बाद ")" पढ़ें

उपाबंध 2 हस्साक्षर और पूरा नाम के बीच तारीख--- पढ़ें अंतिम लाईन ''एस० के० करकरार'' को ''एस० के० करकरा" पढ़ें

> श्री नंदा घोष, सम्बद

नोट:---प्रथम विनियम सं० 2-1/75-आई एन० सी० दिनांक 18 दिसंबर, 1989 भारत के राजपत्र भाग III, खंड-4 के पृष्ठ 1962-64 पर प्रकाशित हुए थे

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नक् विल्ली-110001, विनांक 18 जुलाई 1991

सं. एफ पी बाई (198)/91/1174—जहां मैंसर्स टेलीकमयिनकेशनस कंसस्टेन्ट इन्डिया लि. 43, चिरंजीय टावर
नेहरु पलंस, नई विल्ली ने कर्मचारी भविष्य निधि और उपबंध
विधिनयम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 (1-सी) के
अन्तर्गत कर्मचारी परिवार पंचन स्कीम 1971 से छूट प्रदान
करने के लिए अपने एक कर्मचारी श्री आर. नागराजन कोड नं.
ही.एल.-5371 के सम्बन्ध में बावेदन भेजा।

चूंकि मैं ब. ता. सीम, कैन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त बात से संतृष्ट हुं कि भारत सरकार पेंचन नियम (सी.सी.एत्. पेंचन नियम) के परिवार पेंचन के रूप में लाभ जो कि उक्त स्थापना के इस कर्मचारी पर लागू कर्मचारी परिवार पेंचन स्कीम, 1971 के अन्तर्गत उपलब्ध लाभ से अधिक अनुकृत है।

उक्त अधिनियमं की धारा 17 की उपधारा (1-सी) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, मैं बं, ना, सोम, केन्द्रीय भिष्ठय निधि आयुक्त उक्त स्थापना के कर्मचारी, जो कि उक्त स्थापना में आने से पूर्व केन्द्रीय सरकार की नौकरी में था, तथा सी. सी. एस. पंशन नियमों व्वारा शासित था, को निम्निचित शर्ती पर अधिसूचना के जारी होने की तिर्धि से या नौकरी की अन्तिम तिथि, से उन कर्मचारियों के संबंध में जो सरकार के 22-1-90 के आवश्य के अनुसरण में 22-1-90 से 21-7-20 के जीच विकल्प दने के आद संया निवृत्त हुए को कर्मचारी परिवार पंशन स्कीम, 1971 के सभी उपवंधों को लागू करने से छुट प्रदान करता हुं है;

- 1., ये कर्मचारी छूट की तिथि से कर्मचारी परिवार पेंचन स्कीम, 1971 के अन्तर्गत किसी लाभ के पात्र नहीं होने ।
- 2 कर्मचारी परिवार पंचान स्कीम, 1971 से छूट प्रवान करने के लिए एक बार दिया गया विकल्प अंतिम होगा।
- 3. उक्त प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित नियोक्ता संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को वे रिटर्न भेजेगा, से लोखे तैया करेगा और निरीक्षण करने की वे सुविधाएं देगा जिसे समय-समय पर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निद्धा करेगा ।
- सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्आम/89/भाग-1/1178—जहां मेंसर्स दा इन्डियन काफी वरक्स कापरेटिव सोसा-यटी लि., 592, मालबीय नगर, अबलपुर, मध्य प्रदेश (म.प्र./1376) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आबदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चृक्ति मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि बायूक्त इस बात से संसूष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंधवान या प्रीमियम की अंधायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निकाप सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य साओं से अधिक अनुकृत हैं। (जिसे इसमें इसके पर्चात स्कीम कहा गया है), ा

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनु-सूची में उल्लिखित वर्ती के अनुसार में, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना को उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रवेश ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रवान की है, 1-9-88 से 31-8-91 तक की अविधि के लिए उक्स स्कीम से संजालन की छुट देशा हैं।

अनुसूची-।।

- 1: उक्स स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भंजेगा और एसे लंखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निधिष्ट कर्र।
- 2 नियोजन एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोग जा केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिरियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करों।
- 3 साम्हिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिषयों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययां का वहन नियोजक द्वारा दिया जायेगा।
- 4 नियाजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमादित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के स्चना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनयम के अधीन छूट प्राप्त िक्सी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सवस्य हैं, उसको स्थापना मी नियोजित किया जाता है तो, नियोजित किया जाता है तो, नियोजित करिया जीर उसकी के सवस्य के एप मी उसका नाम तुरन्त वर्ज करणा और उसकी बाबत अध्ययक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवस करणा।
- 6. याद उक्त स्काम क जधान कमचारिया का उपलब्ध लाभ दढ़ाये जाते हूँ तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म- चारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किये जाने को व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक ई। मा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यिव किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अभीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अभीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिश/नाम निवंशितों को प्रतिकार के मण में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संबाय करने।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि

आयुक्त अपना अनुमोदन कोने से पूर्व कर्मचारियों को। अपना इडिटकोण स्पष्ट करने का युक्तिस्युक्त अवस्य नेपा ।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना क कमचार। भारताय जावन वीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रख़द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निमम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दक्षा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्दिश्तों का विधिक बारिकों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उकत स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाओं के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोज्य इस स्कीम के अधीन आने दाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निद्विधितों/विधिक बारिकों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निहिचस करेगा।
- तं. 2/1959/डी. एल. आई /एक्जम/89/भाग-1/
 1184--जहां अनुसूची-। में उल्लिखिश निर्माक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहां गया है) कर्मचारी भिक्य निर्मि और प्रकाण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) को थारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आये-दन किया है (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

खूंकि में, बी. एन. सोम, केन्द्रोय भींकच्य निर्धि आयुक्त इस वात से संतुष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अंदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भार-तीय जीवन वीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उटा रहें ही जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया ही)।

अतः उक्तु अभिनयम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवस शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनू-सूची-2 में उल्लिखत शतीं के अनुसार में, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखत पिछली नारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गुजरात ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रवान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट दोता हुं।

क्षेत्र : गुजरात

अनुसूची-।

	 कम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	ष्टूट की प्रभावी ति	य कें०भ०नि०आ० फाइलसं०
	l	2	3	4	5
	 1. मै०दा ३	हिमँदाबाद एडवास मिल्ज लिमिटेड, आउट साईड			
	दिल्ली गेर	ट, अ हमदाबाद-380001	जी० जे०/336	1-3-88 से	2/3677/91
			·	28-2-91	ी० एल० आई०
2	2. मैं०मँज,	प्रोडेक्टम, सियाजी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड श्री डिबी	-		
	जन, पोस	ट आफिस काथवाड़ा, अ हमद ाबा द -38 24 30	जी० जे०/4.51	1-12-78 से	2/3618/91
				30-11-90	डी० एस० आई०
3		र्ज ० इंडस्ट्रीज, लिमिटेड, लालपरी लेक रोड,			
	राजकोट-	-360003	जें ० जें∤6922	1-6-89 से	2/3679/91
				31-5-92	डी० एस० आई०
4		मैंक इंजीनियर्स 25-26, आवर्ण इण्डस्ट्री एस्टेट			
	सी० एम	्रोड, रा खैल, अहमदाबाद -380023	जी० जे/6945 - ए	1-1-92 स	2/3680/91
				31-12-91	ভীও एলওে সাহতি
5		तानगी ट्रांसपोर्ट कं० 12, सुप्रभात इण्डस्ट्रीयल,		_	
	एस्टेट, धा	रिया पुर गेट के सामने, अ हमदाबाद	जी० जें/7470	1-3-88 में	2/3681/91
				26-2-91	डी० एल० आंई०
6		तिभागी ोड़ लाईन्य, 12 सुप्रभात बन्डस्ट्रीयल		_	
	एस्टेट, बर	दोलपुरा धारीपुर गेट के सामने, अहमदाबाद-16	जी० जे० 74.70 (बी)	1-3-88 मे	2/3682/91
				28-2-91	डी० एस० आई
7.		त्गती रोडवेज, 12 मुत्रभात इण्डस्ट्रीयल एस्टेट,	जी० जे०/7470/(सी)	1-3-88 年	2/3683/91
	-	गेट के मार्मने, अहमदाबाद-380016	जी० जे०7470(सी)	28-2-91	डी० एल० आई०
8		ल्वोद्रीज लिमिटेड, 87/3, जी० आई० डी सी	A 31	_	
	एस्टंट, या	ग, अ हमदाबाद- 382 .45	जी जें/10036	1-890 से	2/3684/91
	- 6			31-7-93	डी० एस० आई०
9		च प्रारमलेक प्रा० सि॰, 87 जी० आई० की० सी			
	•	(एस्टेट, औद्या, अहमदाबाद-382145	जी० जे०/10411 _/ (ए)	1-2-89 से	2/3685/91
10.		ा स्कूल फोरचिल्ड्रन, एलाईस ब्रिज, अ हमदाबाद	2.3	31-1-92	डी त्एल ज्झाई०
	38000	6	जी जे०-13632	1389 सें	2/3686/91
	• •	• A 3330-0-03		28-2-92	डी ० एल. आई०
11.		र्भ - चैन, लेबोरेट्रीज लिमिटेड ब्लाक नं० 457,			
		ल, तालुका, कालोल (एन जी०) डिस्ट्रिक	-5 - 2 1		. 1
	महसाना		जी० जे०/15771	1-7-88 年	2/3687/91
	• ->>-			26-6-91	डी० एस० आई०
12.		मेडीसिस्टम लि॰ए-26, जी॰ आई॰ डी॰ सी	A 11		ala a a ala a
	इलक्रानिव	स एस्टेट, सैक्टर–15, गांधी नगर–382015	जी० जे/18153	1-8-90 मे	2/3688/90-
	Go	A Company of the A		31-7-93	डी० एल० आई०
13.	•	ने इन्टरप्राइजिस प्रा० लि०, 18-टी, विक्रम,	-A 100 do		alaasalaa
	श्राक्षम रा	इ, अहमदः(बाद-380009	जी० जे०/2070	1-3-88 से	2/3600/91-
		्राक्टोंक स्थान प्रशास स्थान स्थान के. ००		28-2-91	डी एल'० आई०
14.		स्ट्रोय पान एण्ड मोल्ड (लि०) फ्लाट नं० 91,			
		डी०, सी०, मस्त दादरा नगर ह वेली,	ज्योर चे व्यवकार कीरो	1 2 22 2	alaga das
	सिलवासा	330,43 U	जी० जे०8232(वी)	1-3-88 🕏	2/3604/91-
				28-2-91	डी० एस० आई०

अनुसूची-II

- ा उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके प्रचात नियोजक कहा गया हैं) संबंधित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेषेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सृतिधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निधिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समा-एत के 15 दिन की भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के बंब-क के अधीन समय-समय पर निर्मिष्ट करें।
- 3 सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रक्षा जाना विषरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निर्देशिण प्रभार का संदाय आदि भी ही, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक बुबारा दिया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमावित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुचना-पट्ट पर प्रविश्वत करेगा ।
- 5. यदि काई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविषय निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविषय निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तों, नियोजिक सामृद्धिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के नधीन कर्मचारियों को उचलन्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं हो नियोजक सामृहिक नीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाओं में समृतित रूप से वृद्धि किए जाने को व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक नीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाओं से अधिक अनुकृत हो तो जो उनत स्कीम के अधीन अनुकाय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हांते हुए भी यदि किसी कर्मचारों की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वशा में संदय हांती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विश्विक वारिश्न/नाम निद्धितों को प्रतिकर के ख्या में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना क्षित्रकीण स्पष्ट करने का गुवित्युक्त अवसर दोगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रख्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणद्वश नियोजक उस नियत तारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दक्षा में उन मृत सबस्यों के नाम निदंशितों या विभिक्त वारिकों को जो यदि यह छुट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्वे- किसों/विधिक वारिशों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिध्यित करेगा ।
- सं. 2/1959/अ. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/1190--अहां अनुसूची-। में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया हैं)।
- कृति में, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भीक्य निधि वायुक्त इस बात से संतृष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मवारी कोई असग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्क्रीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मवारियों के लिए कर्मवारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्क्रीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्क्रीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपभारा 2(क) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा अस मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थान्या के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्भारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एत. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रवान करता हुं, जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शीया गया है।

क्षेत्र : गुजरात

अनुसूची-1

				अनुसूचा—1			
ক্ষম	सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	स्थापना की छूट बढ़ाने के लिये भारत सरकार के अधि- सूचना की संख्या तथा तिथि	∙की गई। छूट	अवधि जिसके लिये और छूट दी गई है।	फे० भ० नि०आ।० फा० मं०
1		2	3	4	5	6	7
1.	लि ॰	प्रकाश टैक्सटाईरुस, (गुज , चाकुडया महविष के दीक, राखैल, अहमदाबाद				7	
	38	0023	जी॰ जे 2644 ए	2/1959/डी० एस० आई एक्जाम/89/पार्टे-1/ 599 दिनांक 1-1-90	31-7-91	1-8-91 से 31-7-94	2/1459/89- ধী০ एল০ आई০
2.	कास के प	दा अहमदाबाद, जिस्ट्रीक प बैंक लि० गांधी ब्रीज ।स इन्कम टैक्स आफिस ।ामने, अहमदाबाद—					
	380	0009	লী ০ সঁ০/4663	एस०/35014/272/83 पी० एफ॰II(एस० एस-II) दिनांक 28-11-83	27-11-86	28-11-86 से 27-11-89 और 28-11-89 से 27-11-92	2 377 88 ত্তী০ एল ০ সা র্হ০
3.		सूरत डिस्ट्रीक का प्रा०					
		लि० (हैण्ड अफिस) पीठ, सूरत	जी॰ जें/4672	एस/35014/138/83 पी॰ एफ॰I1 (एस॰ एस॰ II) दिनांक 28486	26-8-89	27-8-89 से 26-8-92	2/211/79 सी० एल० आई०
4.	कोम्रो आपि	कालूपुर कर्मेशियल । परेटिव भैंक लि०, (हैड फस) कालूपुर वैंक भवन, म टैक्स सरकल,					
		भम रोड़, मवाबाद-380014	जी० जे 4682	एस-35014/224/83 पी० एफ० II/एस० एस०-II दितांक 18-11-86	16-12-89	17-12-89 社 16-12-92	2/927/83 डी० एस॰ आई०

अनुसूची- $^{\mathrm{II}}$

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भीवच्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेषेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार,
- उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 3 साम्हिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, श्रीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संवाय बादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमोदिश सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन

किया आए, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के मुचना-पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।

- .5. यदि कोई एसा कर्मधारी जो कर्मधारी भविष्य निधि का या उपत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरस वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मकारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप में वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामू- हिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकोष हैं।
- 7. सामृष्टिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए, भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संबंध होती जब वह उकत स्कीम के अधीन होता तो. नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिश/नाम निवाधितों को प्रसिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाध करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इण्डिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर होगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारो भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं अधीन नहीं रह जाना है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणविश्व नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का

संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की द्या में उन मृत स्वस्थों की नाम निद्धितों या विधिक वारियों को जो यवि यह छूट न दी गर्व होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उसत स्थापना के सम्बन्ध में नियोज़क इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निद्नितों/यिधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करोगा।
- मं. 2/1959/डी. एल. आई /एकजाम/89/भाग-1/1196—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्साओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य तिथि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आयेवन किया है (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, कोन्द्रीय भविष्य निष्ठि आयुक्त, इस बात से संतृष्ट हुं कि उक्त स्थापना को कर्मचारी कोई अलग ज्ञादान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप महबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्कृत है। (जिसे इसमें इसके पञ्चात स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपभारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-।। में उल्लिखित शतीं के अनुसार में, बी. एन सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित पिछली तारी से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त बंप्रेदा ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत छील प्रदान की हो, 28-2-90 तक की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छुट देता है।

अनुसूची---1

कम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ.०.ति.० आ० फाइल न०
1	2	3	4	5
बड़ी ।	र्संरिकी पट्रोचम प्रा० लि० 67 रेस कोर्संसर्कः दा (फैक्टरी के साथ जो कि इसी कोड नं० के हैं है।)		1-1-89 年 28-2-90	2/3465/91— डो० एन० आई०
इंडिस	पचमहल पुलर्वासज 50—ए जी० आई० डी० व ट्रीयल एस्टेट कलोल (पी० एम० एस०) पचमहल∸389330	मी० जी० जे०-10848	1−4−88 से 28 −2−9 0	2/3408-91- খীত ए ক্ত প্ৰা হ ত

अनुसूची-∏

- गः उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परवात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भंजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सृविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरिक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के लण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रदेत्त किया जाना, वीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का जन्तरण, निरक्षिण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने बाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा विया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्धारा अनमोदित शामहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें मंगोधन किया जाये, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बह्मंच्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थाण्ता की मृखना पटेट पर प्रदक्षित करोगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य जिल्लि का या उक्त अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में निरोजित किया जाता हैं तो, नियोजक सामहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तरना दर्ज करेगा और उसकी बाहत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को मंदस करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कमैंबारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-वारियों को उपलब्ध लाभों को समुचित रूप से वृद्धिध किए जाने की व्यवस्था करेगा. जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनक्तेय हैं।
- 7. सामहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हाए भी गहि किसी कर्मवारी की महा पर इस स्कीम के अधीन गेंदिए गिंडा उस राजि से कम हैं। जो कर्मवारी की उस दशा में संदोय होती, जह उह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मवारी के विधिक लाग्सि/हाम निद्नेशितों को प्रतिकर के हुए में तोनें गडियों के भंतर उसकर साकि का संवाय करीगा।
- 8. सामित्रिक बीमा स्कीम को जयबन्धों में लोडो भी पंडोध्यन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि आग्रक्त को पर्व अनुमोदन के जिला नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के जिला पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविषय निधि। 2—189GI/91

- आयुक्त अपना अनुमोदन धेने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना को कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चूकों है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम को अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाता है तो छुट रद्द् की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्गितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन अपने वाले किसी सदस्य की मूल्यु होने पर उसके हकदार नाम निवंकितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिष्कित करेगा।
- मं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/
 1202---ज्हां अनुसूची-1 में जिल्लिखित नियोक्साओं ने (जिमे इसमें इसके पर्वात् जक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपवन्ध अधि-नियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया हैं (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया हैं)।
- चृंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंग्रवान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्थ लाभों से अधिक अनुकाल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

शतः जलत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा थम भंशालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिमूचना संख्या तथा निधि जो प्रत्येक स्थापना के सामने दर्शायी गढ़ है, के अनुरुरण में तथा संलग्न अनुमची-2 में निधारित शहीं के रहतं हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपवंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की और 3 वर्ष की अधि के लिए छूट प्रदान करना हुं, जैसा कि संलग्न अनुसची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

क्षेत्र : राजस्थान				. :	
क्रम सं० स्थापना का नाम और के पता	ड संख्या	स्थापना की छूट बढ़ा के लिय भारत सरका अधिसुजना की संख्या तिथि	र के की गई छूट	लिए और छूट	के० भ० नि० आ फा० न०
1 2	3	4	5	6	7
 मैसर्स विनय फैबरिक्स (प्रा०) लिमिटेड लाईट इण्डस्ट्रीयल एरिया जोधपुर आ मै० खारिया सीमेंट वर्क्स, सी- 163, शास्त्री नगर, जोधपुर- 34003 		एस० 35014/46/8 दिनांक 7-5-87 एस०-35014/37/ एस० एस यू० पी० दिनांक 1-5-87	87- 3-4-90 /		2/1509/86 डी० एल० आई 4/15///0/- डी० एल० आई०
3. प्रीमियर वैजीट बल प्रोडक्टस लि 95 इण्स्ट्रीयल एरिया जोट वारा, जयपुर, राजस्थान 4. मैं ० मगलम सीमेंट लि ०					2 817 82 ভী০ एस० आई०
आदित्य नगर, मार्क कोटा	आए० जे०/3514	4 2/1959/डी॰ एल एक्जाम/89/पार्ट-1		1 1-3-91 से 28-2-94	2 _/ 2218 _/ 89— ভী০ एল০ সার্ছ

दिनाक 9-1-90

अनुसूची-II

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पहचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा नथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निरिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के अण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट कर³।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके बंतर्गत हे खाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सचना पटट पर प्रदिश्ति करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियो- जित किया जाता है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी नामत अवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदन्न करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अभीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाम बढाये जाते हैं तो नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सम्चित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा. जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामहिक

बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकरूल हां जो उक्त स्काम के अधीम अनुकोय इं!।

- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदार राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेप होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, जियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस्/नाम निवंधितों को प्रतिकर के रूप में दोनों स्वीयों के जन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमावन के बिना नहीं किया जायंगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के छित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना जनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना एष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोग ।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम कें, जिसे स्थापना पहले अपना मुकी हैं, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाल लाभ किसी रीति से कम हो जासे हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करो, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रहव की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संदाय में िल्ए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक बारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा बाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. जक्स स्थापना के सम्बन्ध में नियाजक इस स्क्रीम के क्षणीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निद्गितों/विधि वारिसों का बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक बशा में भारतीय जीवन बीमा निगम सं बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सूर्निश्च्त करोगा।

दिनांक 22 जुलाई 1991

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/1208—जहां मैसर्स रामा कृष्णा होमयो स्टोरस, 434, बैंक स्ट्रीट, पा.बा.स. 109 हैं बराबाद-500001 (ए. टी./2680) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम. 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवंधन किया है (प्रस्था इसमें इस है पहचात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उस यात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अवान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के कि भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का जीव उटा रही हैं, जा कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी एवस सहवद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्थीकार्य लाभों से आधक अनुकूल हो । (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) क्वारा प्रवन शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिस्नुचना सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89-पार्ट-1 दिनांक 26-10-90 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निधिरित झतों के रहते हुए में, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपवन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रदान करता हुं, दिनांक 1-3-90 से 28-2-93 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 28-2-93 भी शामिस है।

अनुसूची -]]

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेंगा और ऐसे लेखा रखेंगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-सभय पर निदिष्ट करें।
- 2. नियंजिक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रस्थेक मास की समाप्ति को 15 दिन को भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत संखाओं का रखा जाना, विषरीणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरोक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा वनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रित और जब कभी उनमें संबोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रित तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी

बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदत्त करोगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से बृद्धि किय जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकर् हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेश होती अब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निदिशातों को प्रतिकर के रूप में बोनेंं राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अधना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देशा ।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापमा पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले साथ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश निशेषक उस नियस तारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस कर , प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाता है तो छुट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वंशा में उन मृत सवस्यों के नाम निर्वेषितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छुट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम कें अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निविधितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिधिचत करेगा।
- सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/1214—जहां मैसर्स करूर वैदेया बैंक लि. एरोड रोड करूर-639002 (टी.एन./4177) ने कर्मचारी भिष्ट निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा

17 की उपधारा 2(क) को अंतर्गत छाट को लिए आयोदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चास उकत अधिनियम कहा गया है) ।

पूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई जलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप संहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं। (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिस्चना सं एस 35014/177/83-पी. एफ एस एस-2 दिनांक 24-7-87 के अनुसरण में तथा संस्पन अनुस्ची में निधिरित शतों के रहते हुए में, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रदान करता हूं, जो दिनांक 22-10-89 से 21-10-92 सक लागू होगा जिसमें यह तिथि 21-10-92 भी शामिल हैं।

अनुसूची-II

- 1. उक्स स्थापना के संबंध में नियोजक (जिले इसमें इसके परचात नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एेसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनयम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खंड-के के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरक्षिण प्रभार का संदाय कादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक व्यारा दिया जायेगा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन िक्षा जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के बधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के

रूप में उसका नाम तुपन्त दर्ज करांगा और उसकी बावस आवस्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदर्श करोगा ।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियां को उपलब्ध लाभ बकाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म- बारियों के उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से धृष्ट्रिध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकोय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम किसी बात के हांते हुए भी यदि किसी कर्मकारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अभीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मकारी की उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अभीन होता तो, नियोजक कर्मकारी के विधिक वारिस/नाम निदंशितों को प्रतिकर के रूप में दानों राशियों के अंतर वराश्वर राशि का संदाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य अयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया आएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का यूक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारो भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले वपना खुकी हैं, अधीन नहीं रह जाता हैं या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रब्द की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियस तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाता है तो छुट रव्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी क्यिक्तकम की दशा में उन मृत संदायों के नाम निद्धितों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छुट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होता।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम-निद्धितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिध्यत करेगा।
- मं 2/1959/डी एल आई./एक्जाम/89/भाग-1/1220--जहां मेंसर्स त्रिची इंजीनियरिंग वर्क्स डी-118 डेबलप्ड प्साट एस्टेट, युवाकाडी, त्रिची-620015 (टी.एन 1956) ने कर्मकारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधि-नियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा

2(क) को अन्तर्गन छाट को लिए आबंदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

्रांत में, थी. एत. सोध, कंन्द्रीय अदित्य निधि आयुक्त इस बात से मंत्रूप्ट हूं कि उस्त स्थाला के असेचारी कोई अलग अंदादाल या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन दीमा के स्था में भारतीय जीवन दीमा निगम की नामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहा है, जा कि एसं अर्थचारचा के लिए अर्थचारी विकेष सहयद्य बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्भत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हो। (जिसे इसमी इसके पश्चात स्कीम कहा गए। ही)।

अनः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करतें हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उिल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं , बी. एन. सोम, उक्त स्थापना को उिल्लिखित पिछलीं तारीख से प्रभावी जिस तिथि सं उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त त्रिची ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम में संचालन की छूट देता हूं। (दिनांक 1-3-90 से 28-2-93 तक)।

अमृत्र्ची-II

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियाजक (जिसं इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय मिविष्य निधि आगुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण को लिए ऐसी सृविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्री। मिविष्य निधि आगुक्त, समय-समय पर निधिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के लण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्काम के प्रशासन में, जिसके बंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोषक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमादित सामृष्टिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के मृचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी को कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक तामहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तरन्त वर्ज करोग और उसकी

शास्त आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन द्योमा निगम को संदत्त करोगा ।

- 6. यदि उक्त स्कीम कं अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन अपलब्ध लाभों में अधिक बनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारों की मृत्यू पर इस स्कीम के अभीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होती, जब वह उक्त स्कीम के अभीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निदंशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संबाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में की हैं भी संसोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिव्होंण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणाश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम की, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रवद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियस तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिवा जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम की संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत संवायों के नाम निर्वेशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा नाभों के संवाय का उत्तर-वायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना क सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के ब्राथीन आने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके इक्षदार नाम निद्वेषितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त इनि के एक माह के भीतर सुनिष्चित करोगा।
- सं. 2/1959/डी. एल. आई. /एकजाम/89/भाग-1/1226—जहां अनुसूची में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पहचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा 2(क) के अंतर्गत छूट के के लिए आवेषन किया है (जिसे इसमें इसके पहचात् उक्त अधि-नियम कहा गया है)।

षूकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हुं िक उकत स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंधदान या प्रीम्थिम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्क्रीम का लाभ उठा रहे हैं, जोिक एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्क्रीम, 1976 के अन्दर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परचातूं स्क्रीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्ती के अनुसार में, बी एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं।

अनुसूची-1

क्षेत्र : राजस्थान

हम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फ़ाईल सं०
1	2	3	4	5
	० बंजरग स्पिनिग मिल्स विजय नगर जिला , अजमेर, जिस्थान	आर० जे०/1563	1-1-90 स 31-12-93	2/1640/87 डी ० एन० आई०

1	2	3	4	5
3. मैं० वेस्ट	र्न इण्डिया कैंप्सिक्तम, उदयपुर	आर० जे०/2490	ı = 3=89 वे	2/2074/
			29-2-92	डी०एल० आर्ছ०
4. मैं० सब	तो इण्डस्ट्रीज म वा २, अजमेर	आर० जे 2554	1-2-89 मे	2/3517/91
			31-1-92	জী০ দূলত আছিত
5. भीलवाड्	ा अजमेर क्षे त्री य ग्रामीण वै क, भीलवाड़ा	आए० जो०/4445	1~10─88 में	2/3484/91
		•	30-9-91	डी० एल० आई०
6. मै० भी	लवाड़ा सहकारी भूमि विकास बैंक, भौलवाड़ा	आर० जे०/4 45 1	1-11-88 मे	2/3519/91
	·	,	31-10-91	डी० एल आई०
7. मैं० इण्ड	स्ट्रीयल इंजिनियरिंग कम्पनी मैगलीवास, अजमेर	সা হত জ <i>0 4</i> 913	1~11-88 से	2/3518/91
		•	31-10-91	डी० एल० आई०

अनुसूची- 11

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा सथा निरक्षिण के लिए एसी सुविधाएं प्रधान करेगा को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के लण्ड-क के अधीन समय-समय पर निविष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, वियरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक दवारा दिया जायेगा।
- 4. तियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहा-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सचना पटट पर प्रदक्षित करेगा।
- त. यथि कोई एमा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना मे नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के

सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करोग और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृष्टित रूप से वृद्धिश किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक वीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक सन्कृत हो जो उक्त जीम के जाति उपलब्ध लाभों में अधिक सन्कृत हो जो उक्त जीम के जाति उपलब्ध लाभों में अधिक सन्कृत हो जो
- 7. सामूहिक बीमा क्लीस में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदंय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदंय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्वेशिकों को प्रतिकर के रूप में वोनों राशियों के अंतर वराबर राशि का मंवाय करोगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपवन्थों मों कोई भी संशोधन संबंधित कोत्रीय भविष्य आयक्त के पूर्व अनुमादन के बिना नहीं किया आएगा और जहां दिसी संशोधन से कर्मधारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, बहां क्षेत्रीय भविष्य निधि अध्यक्त अपना अनुयोवन द्वेत से पूर्व कर्मचारियों को अपना इपिक्ति एक्त अपना अनुयोवन द्वेत से पूर्व कर्मचारियों को अपना इपिक्त एक्त अवगर देगा।
- 9. जीव किसी जरणयहा क्यांका के कर्मकारी भारतीय जीवन तीमा निगर के उस सामितिया तीमा रुक्तीम के. जिसे क्यांक्यां पहले अपना कि है, अधीन नहीं रह जाता के वा इस रकीम के अभीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाम जिसी कीन से कम हो जाते हैं तो यह रहुब की जा सकती हैं।

- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत नारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमिगम का भंदाय करने में असफल रहता है और नाजिसी की व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रदद की जा स्थनी है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंगर्यत होत, जीमा नाओं के संदाय का उत्तरधायिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में निगोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नाम निवाधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सनिविकत करेगा।
- सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89-भाग-1/ 1232—जहां अनुसूची-1 में उल्लिमित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया हु) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) थे नंतरीय प्राप्त के विस्तार के

िनए आयंदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अभि-नियम कहा गया है)।

णूंकि भी, बी. एन. सोम, कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग संशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य आभी से अधिक अनुकृल है (जिसे इसमें इसके प्रचात स्कीम कहा गया है)।

उतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) इयारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भिक्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई हैं, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची- II में निधरित शतों के रहते हुए में, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अविध के लिए छुट प्रदान करता हुं, जीसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके ाम के सामने दर्शाया गया है।

अन्सूची--[

_		
क्षत	•	राजस्थान
CT (4		CIMICALLA

कम सं∘	स्थापना ा नाम और पता		थापना को छ्ट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की संख्या तथा तिथि	पहले से प्रदान - की गई छूट समाप्ति की तथि	ा अवधि जिसके लिए और छूट दी गई	के० भ० नि० आ०
1	2	3	4	5	6	7
1.	म० दिगविजय ड्राइंग एण्ड प्रिटिंग मिल्म टैक्सटाईलस, 12 हैवी डण्डस्ट्रीयल एरिया जोधपुर, राजम्थान	आर० जे०/15:	51 एस० 35014/26/87/ एस० एस०–II दिनांक 31–3⊶87	30-3-90	31-3-90 मे 30-3-93	2/1531/86/ डी० एल० आई०
2.	मैं ॰ पाहवा इण्डस्ट्रीज, ए-1 में 20 इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, जोधपुर-342003		एस–35014/83/87/ एस० एम०–II षिनांक 27–7–87	26-7-90	27790 से 26793	2/1624/87 [/] डी०एस० आई०
3.	मैं० दिगजेंस फैब्रोक्स प्रा० जि०, 12 बी, हैवी १०५२० ट्रीयल एरिया, जोधपुर	आर० जें/2655	एस-35014/52/87/ एस० एस०-11 दिनांक 21-5-87	20-5-90	21-5-90 मे 20-5-93	2/1530/86 _/ জী০ ए ল ০ সাহিৎ

1	2	3	4	5	6	7
4.	मैं अमुनील टैक्सटाइलस सिर प्रा० लि० हमीरगढ़ रोड, पीं बी नं०27 भीलवाड़ा,	च्या				
	311001	आर० जे∕3950	एस35014/129/86/ एस० एस०II दिनांक 31386	30-3-89	31-3-89 स 30-3-92	2/1436/86/ डी० एल० आई०
5.	. मै० अलवर भारत पुर आंचलिक ग्रामीण बैंक, मण्डी ताल बन्ध भारतपुर		एस-35014/93/84 एस एस-II दिनांक 23-10-84	22-10-87	23-10-87 मे 22-10-90	2/1066/84/ डी० एल० आई०
6.	मे ० हरे कृष्णा सिल्क एण्ड सिन थैटिक्स प्रा० लि०, भीलयाड़ा	आए० जें/4491	2/1959/ ड ी० एल० आई० एक्जाम/89/पार्टI दिनांक 28-9-89	31-8-90	1-9-90 से 31-8-93	2/2524/90/- ঙী০ एল০ आई ০

अनुसूची-।।

- ा. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पद्म्यात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेका रखेंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सृविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर गिरिंद्रिट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाणि के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त विधिनियम की भारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अपित समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।
- 3. साम्मूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन मों, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीसियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का शहर नियोजक द्वारा विया जारेगा।

नियोजक, लेन्द्रीय सरकार त्यारा आयोषित पामितिक होमा स्त्रीम के नियमों की एक प्रति और एक कभी उनमें संबोधन किया जाएं, तब उस संबोधन की प्रति तथा प्रश्चिमियों की वहासंख्या की भाषा में उसकी मख्य बाओं का अगुवाद स्थापना के भूगा पान पर पर प्रदक्षित करोगा।

5. यदि कोई एसा कर्मजारी जो कर्मजारी शिष्य दिथि ता या एक्ट अधिनिशम को अधीन छाट प्राप्त किली स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना को 3—189GI/91

- नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तृरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हुँ तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म- चारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकर्ल हो जो उक्स स्कीम के अधीन अनुकर्ष हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मकारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मकारी की उस दशा में संदेय होती, जब यह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के यिधिक शारिस/नाम निक्निशतों को प्रतिकर के क्य में दोनों राशियों के अन्तर बरावर राशि का संदाय करना।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपवेधों में कोर्ड भी संशोधन सम्बन्धित श्रेटीय भविष्य निध्य अगृक्त के पूर्व अगुमोदन के विना अटीं किया जारोग और अहां किसी मंशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रसिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आगृक्त अपना अगृमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों की अपना दिग्टायोग स्पष्ट करने का गृक्ति-युक्त अवसर दोग ।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापता के कर्मचारी भारतीय जीवन वीसा निगम की उस सामृहिक वीसा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन

कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती हैं।

- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करो, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है हो छुट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धितों या विधिक वारिसों कों जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवाशिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसकों हकदार नाम निदंशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भातर सुनिष्चित करगा।
- सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/1238--जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम. 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त अधिनियम कहा गया है)।

नंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त इस बात ने नंत्रह हूं कि उकत स्थापना के कर्मचारों कोई अलग जंग-बान या प्रीमियम की अदायगी किए दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सह-बद्भ दीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गन स्वीकार्य लाभों से अधिक अनकाल हैं (जिसे इसमें इसके परचात स्कीम कहा गया हैं)।

उतः, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मन्द्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थाएना के नाम के सामने वर्जायी गर्द्र है, के अनुसरण में गंलग्न अनुसूची-2 में निधिरिस शर्टी के रखते हुए में, ही, एन. सोम, उक्स स्क्रीम के सभी उपबंभों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अविध के लिए छुट प्रदान करना है, जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने द्वारा गया है।

अन्स्**ची**-।।

अक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजन (जिसे इसमें इसके पश्चात नियोजक कहा गया हैं) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा

निरक्षिण को लिए एरेमी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भिवत्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मासकी स्माप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करोग को केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करों।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षक प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जायं, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना फे सुचना पट्ट पर प्रविशत करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भिवष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसीं स्थापना की भिवष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-बारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उधत रकीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दक्षा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्म-गारी के विधिक वारिस/नाम निव्धिकारों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करगा।
- 8. सामहिक बीमा स्कीम के उपचन्धी में कोई भी संगोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अन्मोदन के बिना नहीं किया जागिन और जहां किसी संदोधन में कर्मचारियों के हिन एर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो. यहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने में पर्व कर्मचारियों की अपना दिष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर दोगा।
- यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्सचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामृष्टिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना

पहले अपना चुकी हैं, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती हैं।

- 10. यिष किसी कारणबंश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत कर, प्रीप्तियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाता है तो छट रखंद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम को संदाय में िकये गये िकसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या

STATE BANK OF INDIA CENTRAL OFFICE

Bobmay, the 21st July 1991

No. 7/91.—In exercise of the powers under sub-section (1) of Section 63 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, and as approved by the Reserve Bank of India and the Board of Directors of the concerned Associate Banks, the State Bank of India has approved the undernoted amendments in Regulation 16 of State Bank of Mysore Employees' Gratuity Regulations and Regulation 13 of State Bank of Bikaner & Jaipur/Indore/Patiala/Saurashtra/Tranvancore Employees' Gratuity Regulations:—

"Without prejudice to the provisions of Regulation 15 of State Bank of Mysore Employees' Gratuity Regulations and Regulation 12 of State Bank of Bikaner & Jaipur/Indore/Patiala/Saurashtra/Travancore Employees' Gratuity Regulations, the amount of gratuity admissible to an employee shall be:—

- (a) A sum equal to one month's pay for each completed year of service in the Bank subject to a maximum of 15 months' pay and
- (b) an additional sum equal to half month's pay in respect of each completed year of service in the Bank in excess of 30 years.
- (c) Service rendered beyond the completed years of service shall also be reckoned for gratuity purpose if it is 6 months and more but less than one year for the purpose referred to in sub-paragraphs (a) and (b) above.

Provided that if the amount of gratuity payable to an employee in accordance with the provisions of the Payment of Gratuity Act, 1972 or any statutory modifications thereof for the time being in force is higher than the amount of gratuity admissible to an employee determined in pursuance of clauses (a), (b) and (c) hereinabove, the employee shall be entitled to be paid such higher amount payable to him in accordance with the provisions of the Payment of Gratuity Act."

By the Orders of the Central Board Sd./- ILLEGIBLE Managing Director

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 25th July 1991

No. V-33(13)-14/86-Estt.IV.—In pursuance of Section 25 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) read whit Regulation 10 of the E.S.I. (General) Regulations, 1950 and in supersession of the Corporation's notification No. V-33(13)-14/82-Estt.IV dated 22-11-1985 and dated 25-3-86 and admendment notification of even No. dated

विधिक वारिसों को जो यदि यह छुट न दी गई होती तो उक्स स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाल किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निदं- दितों/विधिक वारिसों की बामाकृत राज्ञि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निध्चित करेगा ।

बी. एन. सोम कोन्द्रीय भक्तिक्य निधि आयक्त

20-4-1987, the Chairman, ESI Corporation hereby reconstitutes the Regional Board for Rajasthan Region which shall consist of the following members, namely:—

CHAIRMAN

1. Minister of State for Labour. Government of Rajasthan.

VJCE-CHAIRMAN

 Minister of Health. Government of Rajasthan.

MEMBER

3. The Labour Commissioner, Government of Rajasthan.

OFFICER DIRECTLY INCHARGE OF THE ESI SCHEME IN THE STATE-EX-OFFICIO-MEMBER

4. The Director.

Medical and Health Services,
ESI Scheme, Ajmer Road.

Jaipur, Rajasthan.

EX-OFFICIO-MEMBER

 The Deputy Medical Commissioner, ESI Corporation.
 North West Zone, Ahmedabad Gujarat.

EMPLOYERS' REPRESENTATIVE

 Shri T. C. Jain, Chief Executive Employers Association of Rajasthan, 599, Acharya Kriplani Road, Adharsh Nagar, Jaipur.

Employers' additional representative

 Shri K. B. Kakkar, Dy. General Manager, Rajasthan State Road Transport Corporation, Jaipur.

Employers' additional representative

 Shri U. C. Jain, Labour Law Adviser, Rajasthan Chamber of Commerce and Industry, Jaipur.

Employers' additional representative

 Shri Sohan Lal Baragi, Secretary Rajasthan INTUC, C/o Hindustan Central Office, Labour Sangh, New Fatahpura, Udaipur, Rajasthan. وروارين المراجي والمراجي والمعالم المعاليات المحارب المراجع المحال المستوا والمعالم المعالم المعالم المستوار

Employees' Additional Representative

 Shri Rajender Sharma, Bhartiya Mazdoor Sangh Office, 17/45 Brijrajpura, Kota, Rajasthan.

Employees' Additional Representative

 Shri Ravinder Shukla, Secretary, Bhartiya Trade Union Centre, Rajasthan State Committee, B-4 M.L.A. Quarters, Jaipur.

Ex-Offilo-Member

12. The Secretary.
Labour Department,
Government of Rajasthan.

Member-Secretary

13. The Regional Director, ESI Corporation, Jaipur, Rajasthan.

> SMT. KUSUM PRASAD Director General

INDIAN NURSING COUNCIL New Delhi-110002, the 22nd July 1991

Here and the second of the sec

CORRIGENDUM

No. 2-1/75-INC-Corrigendum No. 2-1/75-INC, dated September 14, 1990 published on page 2655 in the Gazette of India Part-III Section 4 on September 29, 1990 (Asvina 7, 1912) shall be substituted as under:—

1. For the existing entries in Regulation number 1(1), the following entry shall be substituted:—

These Regulations may be called the "Indian Nursing Council (Pension/Family Pension-cum-General Provident Fund-cum-Retirement Gratuity) Regulations, 1989".

- 2. In Regulation number 1(2), line 1, for "The" read "They".
- 3. In Regulation number 3(a), line 1, for "regulation" read "regular".
- 4. In Regulation number 3(b), line 6, for "Hereinafter" read "hereinafter".
- 5. In Regulation number 5 for "Qualifying Services" read "Qualifying Service".
- 6. In Regulation number 6, line 6, for "enclosing" read "electing".
- 7. In Regulation number 7(1), line 1, for "INCE" read "INC".
- 8. In Regulation number 7(1), line 3, for "these" read "those".
 - 9. In Regulation number 9(1), line 1, for "he" read "The".
- 10. In Regulation number 9(2), line 2, for "Coun" read "Council".

MISS SRINANDA GHOSH Secy. INC

The Principal regulations were published vide No. 2-1/75-INC, dated the 18th December, 1989 on page 1973-74 in the Gazette of India, Part-III, Section 4 on December 30, 1989 (Pausa 9, 1911).

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-110001, the 18th July 1991

No. FPI-(148)91/1174.—Whereas M/s. Telecommunications Consultants India Ltd. 43, Chiranjiv Tower Nehru Place, N. Delhi has forwarded an application(s) in respect of its employee Shri R. Nagarajan, Director (Tech.) Code No. DL/5371 for grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 under section 17 (I-C) of Employees Provident Funds & Misc. Provisions Act, 1952 (19 of 1952).

And whereas, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner am satisfied that the benefits in the nature of Family Pension under the Government of India Pension Rules (C.C.S. Pension Rules) applicable to this individual employee of the said establishment are more favourable than the benefit provided under the Employees Family Pension Scheme. 1971.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (I-C) of section 17 of the said Act, I, B, N. Som, Central Provident Fund Commissioner, hereby exempt, the above said individual employee of the said establishment who was under the employment of the Central Government before absorption in the above establishment and was governed by the CCS Pension Rules, from the operation of all provisions of the Employees Family Pension Scheme, 1971 with effect from the date of issue of the Notification or from the last date of service of those who retired after exercising option from 22-1-90 to 21-7-90 in terms of Govt. orders dated 22-1-90 on the following terms and conditions:

- these employees will not be entitled to or claim any benefit (s) under the Employees' Family Pension Scheme, 1971 from the date of exemption.
- Option once exercised for grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 will be irrevocable.
- 3. The employer in relation to each of the said employee shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned, maintain such accounts and provide such facilities for inspection as Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89 / Pt/1178.—WEHEREAS M/s. The Indian Coffee Worker's Co-operative Society Ltd., Jabalpur (MP/1376) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule 1 annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-9-88 to 31-8-91.

SCHEDULE-II

1.The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter to as the employer) shall submit such

returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and Provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employes' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund

- Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal hcir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the decased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.
- No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt-I/1184.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):
- AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as said Scheme):
- NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed herefo, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Gujarat from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

REGION: GUJARAT

Sl. Name & Address of the establishment No.	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1 2	3	4	5
1. M/s. The Ahmedabad Advance Mills Ltd., Outside Delhi Gate, Ahmedabad-380001.	GJ/336	1-3-88 to 28-2-91	2/3677/91
 M/s. Maize Products A Division of Sayaji Inds. Ltd., PO. Kathwada Ahmedabad-382430. 	GJ/1451	1-12-87 to 30-11-90	2/3678/91
3. M/s. Ectijay Industries Ltd., Lalpari Lake Ros Rajkot-360003.	nd, GJ/6922	1-6-89 to 31-5-92	2/3679/91

1	2	3	4	5
4.	M/s. Taxmac Engineers, 25-26, Adarsh Inds. Estate, C.M. Road, Rakhial, Ahmedabad- 380023	GJ/6945-A	1-1-89 to 31-12-91	2/3680/91
5.	M/s. Shree Matangi Transport Co. 12, Suprabhat Industrial Estate, O/S Dariapur Gate, Ahmedabad	GJ/7470	1-3-88 to 28-2-91	2/3681/91
6.	M/s. Shree Matangi Roadlines, 12, Suprabhat Industrial Estate, Bardolpura, O/S Dariapur Gate Ahmedabad-16	GJ/7470-B	1-3-88 to 28-2-91	2/3682/91
7.	M/s. Shree Matangi Roadways, 12 Suprabhat Industrial Estate, O/S Dariapur Gate, Ahmedabad-380016	GJ/7470-C	1-3-88 to 28-2-91	2/3683/91
8.	M/s. Torrent Laboratories Ltd., 87/3, G.I.D.C. Estate, Vatva, Ahmedabad, 382 445.	. GJ/10036	1-8-90 to 31-7-93	2/3684/91
9.	M/s. Filtech Pharmlab, Pvt. Ltd., 87/P, G.I.D.L. Industrial Estate, Odhav, Ahmedabad-382415	GJ/10411-A	1-2-89 to 31-1-92	2/3685/91
0,	M/s. Udgam School for Children, Ellisbridge, Ahmedabad-380006.	GJ/13632	1-3-89 to 28-2-92	2/3686/91
11.	M/s. Denis Chem, Laboratories Ltd., Block N. 457, Vill. Chhatral, Taluka, Kalo I (N.G) Dist. Mehsana	GJ/15771	1-7-88 to 3 0 -6-91	2/3687/91
2.	M/s. Torrent Medi Systems Ltd., A-26, G.I.D.C. Electronics Estate, Sector-15, Gandhinagar-382015	GJ/18153	1-8-90 to 31-7-93	2/3688/91
3.	Gujarat Cine Enterprises (P) Ltd., 18-T, Vikram, Ashram Road, Ahmedabad-380009	GJ/2070	1-3-88 to 28-2-91	2/3600/91
	Plustotex Estrusion & Mould (P) Ltd., Plot No. 91, G.I.D.C., Masat and Dadra Nagar Haveli, Silvasa-396230	GJ/8232-B	1-3-88 to 28-2-91	2/3604/91

SCHEDULE-II

2674

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, sub-mission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an es ablishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said esta-blishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse. the exemption shall be liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefis to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exempt/89/Pt-I/1190.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as sa'd Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I.B. N. SOM. hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period upto three year as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

REGION: GUJARAT

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. Date of the Govt's. Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period fo exemption further extended	
1.	Shree Prakash Textiles, (Guj) Ltd. Near Chakudia Mahadev, Rakhial, Ahmedabad- 380023	(GJ/2644-A)	2/1959/DLI/Exemp/ 89/Pt-I/599 dt. 1-1-90	31-7-81	1-8-91 to 31-7-94	2/1459/89/DLI
2.	M/s. The Ahmedabad, District Co-op. Bank Ltd., Near Gandhi Bridge Opp. Income Tax Office, Ahmedabad-380009	(GJ/4663)	8/36014/(272)83- PF. II dt. 28-11-83	:	28-11-86 to 27-11-89 & 28-11-89 to 21-11-92	2/377/88/DLI
3,	M/s. Surat Distt. Co-op. Bank Ltd. (HO) Kanpath, Surat.	(GJ/4672)	8/35014/138/83 Pt. II (SS-II)dt. 28-4-86	26-8-89	27-8-89 to 26-8-92	2/211/79/DLI
4.	The Kalupur Commercial Co-op. Bank Ltd., H. O. Kalupura Bank Bhavan, Income Tax Circle, Ashram Road, Ahmedabad-380014	(GJ/4682)	S-35014/224/83/- PF II (SS-II) dt. 18-11-86	•	17-12-89 to 16-12-92	2/927/83/DLI

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of

accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient teatures thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an es'ablishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishments, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if nya made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefis to the nomince(s)/legal heir(s) of deceased

member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of cliams complete in all respect.
- No. 2/1959/DLI/Exemp|89|Pt-I|1196.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):
- AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme. 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I aginst each from which date relaxation order under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Baroda from the operation of the said scheme for and upto a period of 28-2-90.

SCHEDULE-I

51. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	[(5)
	M/s. Rinki Petochem(P) Ltd., 67, Race Course Circle, atoda-7 (with factory covered under this code No.)	GJ/4952	1-1-89 to 28-2-90	2/3465/91-DLI
Ir	I/s. Panchmahal Pulverisers., G.I.D.C., adustrial Estate., Kalol (PMS) Dist. Panchmahal-19330	GJ/10848	1-4-88 to 28-2-90	2/3408/91 -DL I

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, during under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance

- Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of

India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of cliams completes in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp|89|Pt.1|1202.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme. 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, 1, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE—I

REGION: Rajasthan

Sl. Name & address of the No. establishment	Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C's File No.
1. M/s. Vinay Fabrics (P)Ltd., 7th Light Industrial Area, Jodhpur	RJ/1417	3.35014/46/87-SSII dt, 7-5-87	6-5-90	7-5-90 to 6-5-93	2/1509/86DLI
 M/s. Kharia Cement Works, C-163, Shastri Nagar, Jodhpur-34003 	RJ/4071	S-35014/37/87- SSII dt. 1-5-87	30 -4-9 0	1-5-90 to 30-4-93	2/1577/87-DLI
3. Premier Vegetable Products Limited, 95 Industrial Area, Jhotwara, Jaipur (Rajasthan)	RJ/1587	S-35014/143/83/- PF. II (SS. II) dt. 28-4-86	26-8- 89	27-8-89 to 26-8-92	2/817/82/DLI
 M/s. Manglam Cement Limited, Aditya Nagar, Morak, Kota (Raj.) 	RJ/3514	2/1959/DLI/Exem/89 Pt-I/292 dt. 9-1-90	28-2-91	1-3-91 to 28-2-94	2/2218/89/DLI

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter to as the employer) shall submit such returns to the Regional, Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India. and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respect.

The 22nd July 1991

- No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt/1208.—WHEREAS. M/s. Ramakrishna Homeo Stores, 434. Bank Street, P. B. No. 109. Hyderabad-500001 (AP/2680). have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):
- AND WHEREAS. I. B. N. SOM, Central Provident Fund Comissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is without making any separate contribution or payment of premium, in eniovment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more tavourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).
- WOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in contribution of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. notification No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. 1 dated 26-10-90 and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years with effect from 1-3-90 to 28-2-93 upto and inclusive of the 28-2-93.

SCHEDULE II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Rgional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal beir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grent of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member on titled for it and in any case within one month from th receipt of claims completes in all respect.

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt/1214.—WHEREAS, M/s. Karur Vysva Bank Ltd., Erode Road, Karur-639002 (TN/4177) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Comissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in contribution of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. notification No. S. 35014/177/83 PF-SS-II dated 24-7-87 and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, 1 B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years with effect from 22-10-89 to 21-10-92 upto and inclusive of the 21-10-92.

SCHEDULE II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said A.t., winin 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employe the amounts payable under the Scheme be less thin the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of he Regional Provident Fund Commissioner concerned and

- where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomineo(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respect.
- No. 2/1959/EDLL 89/Pt./1220.—WHERFAS, M/s Trichu Engineering Works, D-118, Developed Plot Estate, Thuvakudy, Trichy-620015 (TN/19561) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Ac);
- AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):
- NOW, THEREFROE, in exercise of the power conferred by sulf-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Trichy from the operation of the said Scheme for and upon a period of 3 years from 1-3-90 to 28-2-93.

SCHEDULE-II

- 3. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance

Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in nay case within one month from the receipt of claims completes in all respect.
- No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt-I/1226.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinaftr referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFROE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against ech from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Rajasthan from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-1

REGION: Rajasthan

Sl. No	Name & Address of the astablishment	Code No.	Effective C.P.F.C's File No. date of exemption
1.	M/s. Bagrang Spinning Mills, Bijay Nagar, Zila Ajmer, Rajasthan.	RJ/1563	1-1-90 2/1640/87/DLI to 31-12-93
2.	M/s. Sahakari Bhumi Vikas Bank Ltd., Bhilwara, Rajasthan.	RJ/2094	1-10-87 2/1920/88/ DL1 to 30-9-90
3.	M/s. Western India Chemicals Udaipur	. RJ/2490	1-3-89 2/2074/89/DLI to 29-2-92
4.	M/s. Sabko Industries Madar, Ajmor	. RJ/2554	1-2-89 2/3517/91/DLL. to 31-1-92
5.	M/s. Bhilwara—Ajmor Kshtriya Gramin Bank, Bbilwara.	. RJ/4445	1-10-88 2/3484/91/D to 30-9-91
6.	M/s. Bilara Sahakari Bhomi, Vikas Bank, Bhilda	. RJ/4451	1-11-88 2/3519/91/DLI to 31-10-91
7.	M/s. Industrial Engineering Company, Mangliavas, Ajmor.	. RJ/4913	1-11-88 2/3518/91/DL1 to 31-1 0- 91

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner

- shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manuer, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the dcath of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respect.
- No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. 1/1232.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule Is (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):
- AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):
- NOW. THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sl. No	Name & Address of the establishment	Code Na.	No. & Date of the Govt's. Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C.'s File No.
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. Digvijay Textile, 12,-A, Heavy Industrial Area, Jodhpur	RJ/1551	S-35014/26/87/SS II/ dated 31-7-87	30-3-90.	31-3-90 to 30-3-93	2/1531/86/DLI/
2.	M/s. Pahwa Industries, A-17 to 20, Industrial Estate, Jodhpur-342003	RJ/1895	S-35014/83/87/SS II/ dated 27-7-87	26-7-90	27-7-90 to 26-7-93	2/1624/87/DLI/
	M/s. Digjam Fabrics Pvt. Ltd., 12-B, Heavy Industrial Area, Jodhpur	RJ/2655	S-35014/52/87/SS II/ dated 21-5-87	20-5-90	21-5-90 to 20-5-93	2/1530/86/DLI/

1	2	3	4	5	6	7
4.	M/s Sunil Textile Mills.	RJ/3950	S-35014/129/86/ SS-II dated 31-3-86	30-3-89	31-3-89 to 30-3-92	2/1436/86/DLI/
5.	M/s. Alwar Bharatpur Anchalik Gramin Bank Mandistal Bandh, Bharatpur,	RJ/3647	S-35014/93/84/SS IV/ dated 23-10-84	22-10-87	23-10-90 to 22-10-93	2/1066/84/DLI/
6.	M/s Hara Krishna Siik & Synthetics Pvt. Ltd., Bhilwara.	RJ/4491	2/1959/DL1/Exemp/ 89/Pt. I dated 28-9-89	31-8-90	1-9-90 to 31-8-93	2/2524/90/DL1/

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (heroinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Gr. u Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insu ance Scheme as approved by the Central Government/Lentral Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the satient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the

- employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life tusurance Corporation of India, and the policy is allowed to rapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case or default, it any made by the employer in payment of promium the responsibility for payment of a surance benefits to the nominec(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the imployer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomunee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respect.
- No. 2/1959/DLI/Excmp/89/Pt.I/1239.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule II (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);
- AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the condition specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule I against their names.

SCHEDULE-11

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned, and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be born by the employer
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Schemappropriately if the benefits available to the employees under the said Sch me are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and when any amendment is likely to effect adversely the interest of the employes the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corroration of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(8)/legal heir(8) of the deceased member entitle! for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respect.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner